समस्या

ग्रामीणजन नदी के कच्चे रास्ते का उपयोग कर रहे है

दबाव में कच्चा रास्ता तोड़े जाने का ग्रामीणों ने किया विरोध

नवभारत, बालाघाट। जिले न में ऐसी कई नदियां हैं, जिनके घाटों से रेत खनन की स्वीकृति दी गई है। इन क्षेत्रों में लंबे समय से रेत का उत्खनन किया जा रहा है। इसी बीच बीते कुछ समय से खनिज विभाग को नदियों से अवैध रेत उत्खनन की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए खनिज विभाग द्वारा निरंतर कार्रवाई की गई। इस र दौरान नदियों पर बनाए गए अवैध , रपटों को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़ा गया। इसी क्रम में बालाघाट के पास स्थित ग्राम धापेवाड़ा में भी कार्रवाई की गई, जहां वैनगंगा नदी पर बने रपटे को 8. प्रशासन ने जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया।

इस कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही रोकने की मांग की है। इसकी प्रतिलिपि ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, उपसंचालक खनिज विभाग, तहसीलदार बालाघाट एवं थाना प्रभारी नवेगांव को भी सौंपी है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए वर्षों से आवागमन में उपयोग हो रहे कच्चे रास्ते को तब तक यथावत बनाए रखा जाए, जब तक शासन स्तर पर स्थायी समाधान के रूप में पक्का मार्ग या पुल का निर्माण नहीं किया जाता। ग्रामीणों की माने तो उक्त रास्ता उनकी आजीविका, खेती किसानी और सामाजिक आवागमन का प्रमुख साधन है, जिसके बंद होने से उन्हें गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कुछ नेताओं के दबाव में प्रशासन इन कच्चे रास्तों को तुड़वा रहा है, जबकि इन नेताओं द्वारा कभी भी इन मार्गों के स्थायी समाधान के लिए शासन स्तर पर पक्के पुल या सड़क निर्माण की पहल नहीं की गई। ऐसे नेता केवल अपनी राजनीति चमका रहे हैं, उन्हें गरीब जनता की अन्य समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है।

25 वर्षों से उक्त रास्ते का उपयोग करते आ रहे

ग्रामीणों का कहना है कि जिले की विभिन्न नदियों के आसपास बसे गांवों में लोग बीते 20 से 25 वर्षों से वर्षाकाल के बाद नदी पर अस्थायी कच्चा रास्ता बनाकर खेतों में आवागमन, कृषि कार्य, शादी-विवाह एवं आसपास के गांवों में आने-जाने के लिए इसका उपयोग करते आ रहे हैं। यह रास्ता न तो नया है और न ही किसी प्रकार की अवैध गतिविधि के उद्देश्य से बनाया गया है, बल्कि यह ग्रामीणों की आजीविका और दैनिक जरूरतों से जुड़ा हुआ है।

पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों को भरवेली मैंगनीज माइंस का कराया गया भ्रमण

नवभारत, बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट के वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों का 07 जनवरी 2026 को भरवेली मैंगनीज माइंस, बालाघाट का शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह भ्रमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. पी. एस. कातुलकर के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

औद्योगिक भ्रमण के दौरान मैंगनीज माइंस के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार, खदान प्रबंधक श्री बावनकर एवं अन्य विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को लगभग 1600 फीट नीचे खदान का प्रत्यक्ष भ्रमण कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को मैंगनीज अयस्क की खोज, खनन, प्रसंस्करण एवं भंडारण की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने आधुनिक खनन मशीनों, सुरक्षा उपकरणों एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा। इस भ्रमण से विद्यार्थियों की व्यवहारिक एवं तकनीकी समझ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई तथा उन्हें खनिज आधारित उद्योगों की आपूर्ति श्रृंखला एवं औद्योगिक प्रबंधन की अवधारणाओं को वास्तविक परिप्रेक्ष्य में समझने का अवसर मिला।

भ्रमण के दौरान शोधार्थियों ने खनन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों, कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास से संबंधित प्रश्न भी पूछे, जिनका अधिकारियों द्वारा विस्तार से समाधान किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार पंचारिया, श्री भीवेन्द्र धुर्वे, शोधार्थी इशिका, साक्षी, हर्षिका सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर के आदेश, जिले में चाइनीज मांझे पर होगी रोक

अवैध रूप से मांझा बेचने या उपयोग करने वालों पर होगी कार्यवाही

नवभारत, बालाघाट। मकर संक्रांति पर्व के दौरान पतंगबाजी से होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री मृणाल मीना ने आमजन की सुरक्षा को देखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले में चाइनीज मांझे पर पूर्णत: प्रतिबंध के आदेश जारी किये है।

जारी आदेश के अनुसार जिले में नायलॉन, प्लास्टिक अथवा किसी भी प्रकार के सिंथेटिक पदार्थ से निर्मित पतंग उड़ाने वाले धागे (चाइनीज मांझा) के निर्माण, भंडारण, विक्रय एवं उपयोग पर पूरी तरह रोक रहेगी। इस प्रकार का मांझा अत्यधिक धारदार होने के कारण आम नागरिकों, विशेषकर बच्चों व युवाओं के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इसके अलावा यह पशु-पक्षियों के लिए भी घातक है तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। मकर संक्रांति के दौरान केवल पारंपरिक सूती धागे से पतंग उड़ाने की अनुमति होगी, वह भी इस शर्त पर कि धागे में कांच, धातु अथवा किसी अन्य खतरनाक पदार्थ का प्रयोग न किया गया हो। किसी भी प्रकार का संशोधित या रासायनिक लेपित मांझा प्रतिबंधित रहेगा।

जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जिले में सघन निगरानी कर बाजारों में चाइनीज मांझे की बिक्री पर विशेष नजर रखे और अवैध रूप से मांझा बेचने या उपयोग करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करें। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति या दुकानदार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिलेवासियों से अपील की गई है कि वे मकर संक्रांति का पर्व सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाएं तथा चाइनीज मांझे का उपयोग न कर सूती धागे का ही प्रयोग करें।

स्टॉप डेम बना किसानों की खुशहाली का आधार, जलसंकट से मिली राहत

नवभारत, वारासिवनी। वारासिवनी तहसील के अंतर्गत लालबर्रा रोड पर मुरझड़ ग्राम के पास टोंड्या नाले पर निर्मित स्टॉप डेम आज क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02 द्वारा लगभग 43 लाख रुपये की लागत से बनाए गए इस स्टॉप डेम ने इलाके की जल स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है।

मुरझड़ के श्मशान घाट के समीप बने इस स्टॉप डेम में वर्षा का पानी लंबे समय तक संग्रहित रहता है। इससे आसपास के किसानों को धान की फसल की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां खरीफ के मौसम में भी खेतों तक पानी पहुंचाना चुनौती भरा होता था, वहीं अब किसान समय पर सिंचाई कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। स्टॉप डेम का लाभ केवल खेतों तक ही सीमित नहीं है। इसमें संचित जल के कारण आसपास के कुएं और हैंडपंप भी रिचार्ज हो रहे हैं, जिससे गांव में भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। गर्मी के दिनों में भी पीने और घरेलू उपयोग के लिए पानी की उपलब्धता बनी रहती है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस स्टॉप डेम के निर्माण से खेती के साथ-साथ गांव के जीवन में भी स्थायित्व आया है। जल संरक्षण की यह संरचना न केवल फसलों की प्यास बुझा रही है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा की मजबूत नींव भी रख रही है।

पोषण ट्रैकर के नवीन संस्करण पर नॉमिनी फीचर का प्रशिक्षण आयोजित

बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के निर्देशन में 08 जनवरी को पोषण ट्रैकर के नवीन संस्करण 24.9.9 के अंतर्गत नॉमिनी फीचर विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण जिला कार्यालय के कक्ष क्रमांक 205 में संपन्न हुआ, जिसमें परियोजना किरनापुर, बैहर, बिरसा, परसवाड़ा एवं बालाघाट ग्रामीण की समस्त पर्यवेक्षक एवं संबंधित ब्लॉक समन्वयक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि ऐसे हितग्राही जो चिकित्सीय कारणों से स्वयं आंगनवाड़ी केंद्र पर उपस्थित होकर टीएचआर (टेक होम राशन) प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके लिए टीएचआर नॉमिनी फीचर का उपयोग किया जा सकता है।

रेल ओवर ब्रिज निर्माण का एसडीएम ने किया निरीक्षण

नवभारत, वारासिवनी। वारासिवनी एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल ने गुरुवार 8 जनवरी को वारा में निर्माणाधीन रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ब्रिज के दोनों ओर से अतिक्रमण हटाने की जा रही कार्यवाही का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसडीएम श्री जायसवाल ने ब्रिज निर्माण कार्य में लगी एजेंसी के ठेकेदार से चर्चा करते हुए गर्डर लांचिंग का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न की जाए, ताकि ब्रिज का कार्य समय-सीमा में पूरा हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि रेल ओवर ब्रिज का निर्माण पूर्ण होने से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम होगी और आम नागरिकों को जाम व आवागमन संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जा रही है, जिससे कार्य की गुणवत्ता और गति सुनिश्चित की जा सके।

बालाघाट में भी लागू होगी ई-टोकन आधारित खाद वितरण व्यवस्था

ई-टोकन जनरेट होने पर तीन दिन के भीतर खाद उठाना होगा

नवभारत, बालाघाट। खाद की कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने एवं किसानों को राहत देने के उद्देश्य से जिले में अब ई-टोकन आधारित खाद वितरण व्यवस्था लागू की जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत किसानों को खाद के लिए दुकानों के बाहर लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि वे घर बैठे ऑनलाइन ई-कृषि पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन जनरेट कर खाद बुक कर सकेंगे।

उप संचालक कृषि श्री फुलसिंह मालवीय ने बताया है कि बालाघाट जिले में भी ई-टोकन व्यवस्था 1 जनवरी से चरणबद्ध रूप से लागू की जा रही है। ई-टोकन जनरेट होने के बाद किसान को तीन दिन के भीतर निर्धारित दुकान से खाद प्राप्त करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय में खाद नहीं लेने पर ई-टोकन स्वत: निरस्त हो जाएगा। इस व्यवस्था के तहत जिले की सभी खाद दुकानों को ई-कृषि पोर्टल से जोड़ा गया है, जिससे दुकानवार उपलब्ध स्टॉक, वितरण एवं बिक्री की ऑनलाइन निगरानी की जा सकेगी। इससे खाद की कालाबाजारी, अनियमितता एवं अनावश्यक भंडारण पर रोक लगेगी। ई-टोकन प्रणाली वैज्ञानिक आधार पर संचालित होगी, जिसमें किसान की भूमि, फसल क्षेत्र एवं आवश्यकता के अनुसार ही खाद उपलब्ध कराई जाएगी। इससे किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार खाद मिलेगी और किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे ई-कृषि पोर्टल का अधिक से अधिक उपयोग कर इस नई सुविधा का लाभ उठाएं। किसानों को सुचारू, पारदर्शी एवं सुविधाजनक तरीके से खाद एवं उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा ई-टोकन प्रणाली लागू की गई है। इस नई व्यवस्था के अंतर्गत किसानों को उतनी ही खाद निर्धारित मात्रा में प्रदान की जाएगी, जितना रकबा उनके फार्मर आईडी से जुड़ा हुआ है।

उप संचालक कृषि श्री मालवीय ने बताया कि ई-टोकन प्रक्रिया के तहत प्रत्येक किसान को अपनी फार्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनवानी होगी। जिन किसानों की फार्मर आईडी तैयार हो चुकी है, उन्हें सुनिश्चित करना होगा कि उनकी आईडी में सभी खसरे सही रूप से जुड़े हों, ताकि खाद प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या न हो।विभाग ने किसानों से अपील की है कि जिन किसानों की फार्मर आईडी अभी तक नहीं बनी है, वे अपने क्षेत्र के पटवारी, सचिव अथवा नजदीकी ऑनलाइन सेंटर से संपर्क कर शीघ्र ही फार्मर आईडी बनवाएं।

19 जनवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन

नवभारत, परसवाड़ा। आज दोपहर 2 बजे परसवाड़ा नगर के राम मंदिर मंदिर परिसर में नगर के धर्म प्रेमी बंधुओं की पावन उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 19 जनवरी दिन सोमवार को होने वाले विशाल हिन्दू सम्मेलन का हुआ भूमि पूजन, साथ ही ध्वज रोपण कर सनातन धर्म एवं भारत माता का जय घोष से प्रांगण गूंज उठा। उपस्थित जनों ने सहपरिवार इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने का निर्णय लिया है,नगर के वार्डों में प्रभात फेरी निकाली जाएगी साथ ही पीले चावल के द्वारा निमंत्रण भी दिया जायेगा,आमंत्रण पत्र भी बांटे जायेंगे। आगामी 19जनवरी को होने वाले विशाल हिंदू समागम में मुख्य वक्ता के रूप में जगद्गुरु स्वामी श्री प्रज्ञानंद जी महाराज का उद्बोधन प्राप्त होगा।विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सहभोज का आयोजन भी हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति ने रखा है।साथ ही समस्त हिंदू भाईयों बहिनों से एक दिन का समय निकालने का आग्रह आयोजन समिति ने किया है।परसवाड़ा खंड के सभी 16 मंडलो में कलश वितरण भी आज के कार्यक्रम में किया गया।

सर्वसुविधायुक्त

तात्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा 22 फरवरी 2023 को एसडीएम भवन के लिये किया गया था भूमिपूजन

आखिर जायसवाल के प्रयासों से एसडीएम कार्यालय को मिल गया सर्वसुविधायुक्त नवीन भवन

नवभारत, वारासिवनी। पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से तहसील कार्यालय में संचालित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दंडाधिकारी कार्यालय को नये वर्ष में आखिरकार स्वयं का भवन मिल ही गया। नये वर्ष के अवसर पर एसडीएम वारासिवनी का पूरा स्टाफ अब तहसील कार्यालय के बाजू में बने हुए नवीन भवन में शिफ्ट हो गया है। जिससे अब पक्षकारों को अपनी समस्याओं को लेकर एसडीएम से मिलने में आसानी हो रही है और कार्यालय में बाबूओं को भी काम करने में आसानी महसुस होते देखी जा रही है।

इस नये भवन को कर्मचारियों द्वारा फूल मालाओं व गुब्बारे से सजाया गया था। नवीन भवन में प्रवेश के पहले एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई और फीता काट कर भवन में प्रवेश किया गया। भवन में प्रवेश के बाद कर्मचारियों द्वारा एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल का पुष्प गुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया।

अब लोगों को नहीं होगी असुविधा

एक ही स्थान पर सभी कार्यालय संचालित होने से कई बार एसडीएम कार्यालय में कार्य करने में परेशानी उठानी पड़ती थी। जिसको ध्यान में रखते हुए प्रदेश शासन ने तहसील कार्यालय के बगल की खाली भूमि पर एसडीएम कार्यालय के लिए भवन निर्माण का निर्णय लिया था। जिसके लिए तात्कालिन विधायक प्रदीप जायसवाल के सफल प्रयासो से अक्टूबर 2022 को इस कार्य की स्वीक्रती और उसके बाद 131 लाख रुपये की लागत तय कर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा 22 फरवरी 2023 को प्रदेश तत्कालीन राज्य मंत्री आयुष स्वतंत्र प्रभार व जल संसाधन विभाग की अध्यक्षता, गोविंद सिंह राजपूत मंत्री राजस्व एवं परिवहन, हरदीप सिंह डंग मंत्री नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर्यावरणीय व प्रभारी मंत्री बालाघाट, गौरीशंकर बिसेन अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के प्रमुख आतिथ्य तथा डॉ ढालसिंह बिसेन सांसद बालाघाट-सिवनी, प्रदीप जायसवाल विधायक वारासिवनी, सम्राट सिंह सरस्वार अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट, श्रीमती माया उइके अध्यक्ष जनपद पंचायत वारासिवनी व श्रीमती सरिता मनोज दांदरे अध्यक्ष नगरपालिका वारासिवनी के विशिष्ट आतिथ्य में निर्माण कार्य की आधारशिला रखी थी। जिसके बाद भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ और लगभग 2 वर्षों में यह भवन बनकर तैयार हो गया।

अंग्रेजों के समय में निर्मित तहसील कार्यालय में लगता था एसडीएम कार्यालय

विदित हो कि वारासिवनी नगर में अंग्रेजों के शासन काल में शासकीय चिकित्सालय के सामने तहसील कार्यालय भवन का निर्माण किया गया था। इस भवन में एसडीएम सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक व राजस्व निरीक्षक के कार्यालय संचालित हो रहे है। इसी भवन में ट्रेजरी सहित सुनवाई के लिए लाने वाले लोगों को भी रखने के लिए हवालात बने हुए है।

नदी में डूबने से बुजुर्ग की मौत

नवभारत किरनापुर 8 जनवरी। बिसोनी निवासी रसीद अहमद की पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना ग्राम बिनोरा के समीप नदी पुल के पास की बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार रसीद अहमद किसी कार्य से नदी पुल के पास पहुंचे थे, इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वे नदी में गिर गए और गहरे पानी में चले जाने के कारण उनकी डूबने से मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने जब तक मदद की, तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर पंचनामा कार्रवाई की गई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

बास्केटबाल संघ के पाश्वेन्द्र पारधी बने अध्यक्ष

बालाघाट। 2 दिनों पूर्व स्थानीय होटल मल्लिकार्जुन में जिला बास्केटबॉल संघ गठन किया गया जिसमें सर्व सम्मति से श्री पाश्वेन्द्र पारधी को संघ का जिला अध्यक्ष चुना गया इसके साथ ही सचिन भोज को इस संघ मे सचिव नियुक्त किया गया है , इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री गौरीशंकर बिसेन पूर्व केबिनेट मंत्री,अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर और विशेष अतिथि किरन भाई त्रिवेदी अध्यक्ष नेहरू सपोर्टिंग क्लब के साथ अन्य अतिथि ओर खिलाड़ी उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बम्हनवाडा
जनपद पंचायत लांजी जिला बालाघाट म.प्र.
निविदा सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बम्हनवाडा जनपद पंचायत लांजी जिला बालाघाट अंतर्गत (1). मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से स्वीकृत कार्य – ग्राम बम्हनवाडा हनुमान मंदिर से ओटेकसा सरहद तक सीमेण्ट रोड़ लागत राशि 24.99 लाख (2). स्टाम्प शुल्क 4610 से ग्राम बम्हनवाडा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत राशि 25 लाख हेतु 20 एम. एम. गिट्टी 40 एम. एम. गिट्टी रेत सीमेण्ट लोहा मिक्सर मशीन सेपिंग इत्यादि हेतु दिनांक–18/01/2026 तक निविदा बंद लिफाफा में आमंत्रित की जाती है एवं प्राप्त बंद लिफाफा दिनांक 21/02/2026 दिन बुधवार को समय 11 बजे ग्राम पंचायत बम्हनवाडा की सामान्य बैठक में खोली जावेगी। अधिक जानकारी के लिये ग्राम पंचायत सूचना पटल में देखी जा सकती है या ग्राम पंचायत से जानकारी ले सकते हैं।

सरपंच ग्राम पंचायत बम्हनवाडा
सचिव ग्राम पंचायत बम्हनवाडा